सत्यमेव जयते
प्रत्नकीर्तिमपावृणु

प्रदर्शनी
चीनी-मिट्टी के बर्तनों का संग्रह
(फिरोजशाह कोटला से अनूठी प्राप्ति)

सत्यमेव जयते
Ministry of Culture
Government of India

क्वार्टर गार्ड, लाल किला, दिल्ली | 19 नवम्बर से 31 दिसम्बर, 2017

ईसा. पूर्व की प्रारंभिक शताब्दियों से ही भारत और चीन के बीच घनिष्ठ व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंध रहे हैं। भारत के अनेकानेक पुरातात्विक स्थलों से चीनी-मिट्टी के पात्रों (बर्तनों) का पाया जाना इन दोनों सभ्यताओं के बीच समृद्ध संबंधो का पोतक है।

लगभग आधी शदी पूर्व, कई अन्य महत्त्वपूर्ण खोजों की तरह, 14वीं शताब्दी के चीनी-मिट्टी के बर्तनों का एक असाधारण भंडार दिल्ली के फिरोजशाह कोटला में पाया गया था। इस भण्डार में विभिन्न आकार प्रकार के तश्तरी (प्लेट) और कटोरे खंडित अवस्था में प्राप्त हुए थे। यद्यपि सभी बर्तनों पर की गई सुंदर सजावट एवं कलाकृति (डिजाइन) अभी भी विद्यमान है। इससे पता चलता है कि चीनी-मिट्टी के बर्तन तुगलक शासको के रसोई घर की सबसे पसंदीदा वस्तुओं में से एक थे।

यह प्रदर्शनी फिरोजशाह कोटला से पाये गये युआन काल (14वीं शताब्दी ईसा. पूर्व) के चीनी-मिट्टी के बर्तनों के आकस्मिक खोज की झलक प्रदान करेगी। इसी प्रकृति और अवधि के दो अन्य शाही संग्रह इस्तांबुल के टोपकापी सराय और ईरान में आर्डेबिल श्राइन (तीर्थ) में पाये गये हैं। भारत-चीन परस्पर संबंधों के संदर्भ में फिरोजशाह कोटला परिसर में पाया गया चीनी-मिट्टी के बर्तनों का यह संग्रह उल्लेखनीय है। यह एशिया का एकमात्र ऐसा संग्रह है जो 14वीं शताब्दी के चीनी-मिट्टी के कुछ सर्वोत्तम बर्तनों के इतिहास को पर्दर्शित करता है।